आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–22 सितम्बर 2025 भोजपुरी समाचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु गोरखपुर में अगिला पीढ़ी के जीएसटी सुधार क जनकारी देवे बदे व्योपारियन अउर आम जनता से सम्पर्क कइले अउर ऐह बारे में ओन्नहन लोगिन के प्रतिक्रिया जनले। उहां के व्यावसायियन से आग्रह कइलीं कि घटल जीएसटी क फाइदा गहकिन के जरूर दें अउर स्वदेसी उत्पाद के बढ़ावा देवे बदे दोकानिन पर **'गर्व से कहो यह स्वदेशी है'** क पोस्टर जरूर लगावें। जनसम्पर्क के बादे मीडिया से बतियावत मुख्यमंत्री कहलें कि जीएसटी कम भइले से आम लोगिन के खरिदले क सक्ति बढ़ी, मांग से खपत अउर खपत से उत्पादन बढ़ी जवने से नया रोजगार क मौको मिली। उहां के विस्वास जतवलीं कि अगिला पीढ़ी क जीएसटी देस के अर्थव्यवस्था के नया गति देई।

****

अगली पीढ़ी क जीएसटी सुधार आजु से लागू हो गइल बाटे। नया कर ढ़ांचा में जीएसटी परिषद अप्रत्यक्ष कर प्रणाली के पांच फीसदी, बारह फीसदी, अट्ठारह फीसदी अउर अट्ठाइस फीसदी के चारि स्तर के संरचना से सरल बना के पांच फीसदी अउर अट्ठारह फीसदी वाले दुइ स्तरीय संरचना में बदलि दिहले हउवे। ई सुधार कईगो समान अउर सेवा पर टैक्स कम कइके नागरिकन के प्रत्यक्ष राहत देवे बदे प्रतिबद्ध बाटे। एगो रिपोर्ट–

जीएसटी सुधारों के अंतर्गत सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में करों में बड़ी कटौती कर आम आदमी को राहत दी है। सरकार ने 7,500 रुपये प्रतिदिन से कम किराए वाले होटल में जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है। इससे मध्यम वर्गीय परिवारों और यात्रियों के लिए यात्रा अधिक किफायती हो जाएगी और इसके साथ ही मध्यम श्रेणी के होटलों, होम–स्टे और गेस्ट हाउस में भी नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा। इन सुधारों में कला और सांस्कृतिक सामग्रियों पर भी जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटा कर 5 प्रतिशत किया गया है। छोटी मूर्तियों, मूल नक्काशियों, प्रिंट, शिलामुद्रण, जेवराती वस्तुओं, प्रस्तर कला के सामान आदि पर लगने वाले जीएसटी को पांच प्रतिशत कर दिया गया है। छात्रों और परिवारों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्टेशनरी वस्तुएं जैसे नोटबुक, ग्राफ बुक, शार्पनर और पेंसिल को शून्य–कर श्रेणी में ला दिया है, जिससे वे और अधिक किफायती हो गई हैं। दृष्टि और शिवांग के साथ, सकलैन अख्तर आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

सेवा अउर सुशासन, अर्थात जनसेवा अउर सुशासन के मंत्र से प्रेरित होके, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अगुवाई में सरकार बदलाव अउर विकास बदे अथक प्रयास कई रहलि हउवे। आजु एह विसेस श्रृंखला सेवा पर्व में हम आप लोगिन खातिर ले आ रहल हईं कि कइसे मोदी सरकार किफायती आवास अउर सहर में कनेक्टिविटी के मजबूत कइले हउवे आ देसभर के सहरन में जिनगी के गुणवत्ता में सुधार कइले हउवे।

भारत में मेट्रो अब केवल परिवहन का साधन ही नहीं रह गई है। यह भारत की विकास गाथा के केंद्र में एक जीवन रेखा बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत ने अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है। इस महीने कोलकाता में मेट्रो रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि–

2014 से पहले देश में सिर्फ 250 किलोमीटर ही मेट्रो रूट था। आज देश में मेट्रो रूट 1000 किलोमीटर से भी ज्यादा का हो गया है। यह सारे काम इज ऑफ ट्रैवल को बढ़ाने वाले हैं ताकि 21वीं सदी के भारत को 21वीं सदी के ट्रांसपोर्ट सिस्टम की भी जरूरत है

यात्रियों को मेट्रो सुविधाएँ प्रदान करने से लेकर लोगों को आवास आवंटित करने तक, सरकार शहरी क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार ला रही है और जीवन को सुगम बनाने के अपने लक्ष्य को पूरा कर रही है। समाचार कक्ष से मैं आकर्षिता सिंह।

****

शारदीय नवरात्र परब के आजु से सुभारंभ हो गइल हवे। नवरात्र के पहिला दिने आजु सरधालु मॉ भगवती के पहिल स्वरूप शैलपुत्री क पूजा आराधना कइ रहल हवें। प्रदेस भर के दुर्गा मंदिरन अउर सक्तिपीठन में सरधालुअन के भारी भीड़ि बाटें। सरधालु माता के जयकारा लगा रहल हउवे अउर पुरहर विधि विधान से पूजा–पाठ कइल रहल हउवे। सरधालु लोगि आजु अपने घरन में कलसा स्थापित कइलें अउर नौ दिन के अनुष्ठान क सुरूआत कइलें। प्रसिद्ध शक्तिपीठ विन्ध्याचल के माता बिन्ध्यवासिनी देवी मंदिर पर बितल आधी रतिये से नवरात्र के मेला सुरू हो गइल बाटे। मेला के सुरक्षा क कड़ेर इंतिजाम कइल गइल हवे। वाराणसी के दुर्गाकुण्ड के सथही कईगो देवी मंदिरन अउर अजोध्या के बड़ी देवकाली, छोटी देवकाली, जालपा देवी अउर पाटेश्वरी देवी मंदिरन पर दरसन पूजन बदे सरधालुअन के तांता लागल बाटे। ओहर प्रदेस के सज्जों सहरन में मॉ भगवती क पांण्डाल लागि गइल बाटे। पांण्डालन में आजु कलस स्थापना के सथहीं नवरात्र पूजन क सुरूआत हो गइल।

****

प्रयागराज के सोरांव थान्हा क्षेत्र के बिगहिया गांव के समने कानपुर–बनारस राजमार्ग पर आजु भिन्नही एगो ट्रक ठाढ़ चरपहिया के टक्कर मारि दिहलसि। येह दुरघटना में चारि जने क मउति हो गइल जबकि तीनि जने गंभिराहे घाही हो गइले। घाही लोगिन के इलाज बदे अस्पताल में भरती करावल गइल हउवे।

****